'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.Sc./B.Com. Honours/General Part-III Examination, 2022

COMPULSORY HINDI

PAPER-HINM (MIL)

FOR SCIENCE AND COMMERCE

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.

खंड-क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5×5 = 25

(क) निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपेण कीजिए –

आपका जीवन एक संग्राम स्थल है जिसमें आपको विजयी बनना है। महान् जीवन के रथ के पहिए फूलों से भरे नंदन-वन से नहीं गुजरते कंटको से भरे बीहड़ पथ पर चलते है। जीवन में सुख ही नहीं, दुःख भी है। सुख-दुःखमय जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्म-विश्वास का होना जरूरी है। जो आत्म-विश्वासी है, उसके लिए कोई भी विपत्ति नहीं। उसका भविष्य उज्ज्वल बनता है। आत्म-विश्वास के अभाव में मनुष्य जीवन-संसार की कठिनाइयों पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता।

(ख) भाव-पल्लवन कीजिए –

"बूंद बूंद से घट भरै"

(ग) विज्ञापन का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) परीक्षा में सर्वप्रथम आने पर अपने मित्र को बधाई पत्र लिखिए।

(ङ) रोडवेज की यात्रा में यात्रियों को होने वाली असुविधाओं का उल्लेख करते हुए दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक के नाम एक शिकायत पत्र लिखिए।

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पारिभाषिक शब्दावलियों के हिन्दी रूप लिखिए –

Validity, Notification, Panel, Agenda, Advice, Depositor, Finance.

खंड-ख

2. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – 8×1 = 8

(क) जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ख) कबीर की काव्य भाषा पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) बिहारी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – $8\times1 = 8$

(क) 'दो बैलों की कथा' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'ठेस' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5

(क) राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहेरहुँ जौं चाहसि उजिआर।।

अथवा

(ख) कहलाने एकत, बसत, अहि मयूर मृग बाघ।
जगत तपोवन सो कियो, दारघ दाघ निदाघ।।

5. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 4

(क) सहसा घर का द्वार खुला और लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूंछे खड़ी हो गई। उसने उनके माथे सहलाए और बोली-खोल देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाय।

अथवा

(ख) बिनी मजदूरी के पेट-भर भात पर काम करनेवाला कारीगार! दूध में कोई मिठाई न मिले, कोई बात नहीं किन्तु बात में जरा भी झाल वह नहीं बरदाशत कर सकता।

——×——